Literacy for a Billion

Movie: Mugha-E-Azam
Year: 1960

Song: Mohe Panghat Pe
Lyricist: Shakeel Badayuni

मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे
मोहे पनघट पे
हाँ मोरी नाजुक कलैया मरोर गयो रे
मोरी नाजुक कलैया मरोर गयो रे
मोहे पनघट पे
ओ मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे
मोहे पनघट पे

कंकरी मोहे मारी गगरिया फोर डारी
हाय गगरिया फोर डारी
हो कंकरी मोहे मारी गगरिया फोर डारी
हाय गगरिया फोर डारी
ओ गगरिया फोर डारी
हाँ मोरी सारी अनारी भिगोय गयो रे
मोरी सारी अनारी भिगोय गयो रे

मोहे पनघट पे
हो मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे
मोहे पनघट पे

नैनों से जादू किया जियरा मोह लिया
हाय जियरा मोह लिया
हो नैनों से जादू किया जियरा मोह लिया
हाय जियरा मोह लिया
ओ जियरा मोह लिया
हाँ मोरा घुँघटा नजरियों से तोड़ गयो रे
मोरा घुँघटा नजरियों से तोड़ गयो रे
मोहे पनघट अजी हाँ
मोहे पनघट
हाँ मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे
मोहे पनघट पे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.